i(b) whether Government are also aware | that some shipping companies are not undertaking coastal traffic and if so, whether Government propose to take any steps against such shipping companies; and

(c) whether Government propose to revise the freight rates so that the shipping companies do not lose on such coastal traffic ?

THE MINISTER OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI KAMALAPATT TRIPATHI) : (a) It is a fact that shipping companies operating on the coastal trade are inclining losses. But, such loss are generally computed by the companies over a period of time in respect of their fleet as a whole and not on individual shipwise basis.

(b) Though the shipping companies are reluctant to operate on the coast, they have been persuaded to undertake coastal voyages depending upon the need and availability of cargoes.

(c) Government is seized of the whole matter with a view to evolving a rational and economic structure for freight and other issues concerning the coastal trade.

लघु इस्पात संयंत्रों के संबंध में श्वेत पत्र

*788. श्री भैरों सिंह शेखावत :
डा. राम कृपाल सिंह :
श्री वीरेन्द्र कुमार सखलेचा :
श्री डी. के पटेल :

क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 7 सितम्बर, 1974 के 'इकानामिक टाइम्स' में प्रकाशित उस लेख की ओर दिलाया गया है जिसमें यह सुझाव दिया गया है कि लघु इस्पात संयंत्रों के बारे में एक श्वेत पत्र प्रकाशित किया जाना चाहिये ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ?

t[W'liilte Paper on mini steel plants

788.'SHRI B. S. SHEKHAWAT : , DR. RAMKRIPAL SINHA : SHRI V. K. SAKHLECHA : SHRI D. K. PATEL :

Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state :

(a) whether Government's attention has been drawn to an article which has appeared in the 'Economic Times' of the 7th September, 1974 suggesting that a White Paper on mini steel plants be published: and

(b) if so; what is Government's reaction thereto ?]

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चन्द्रजीत यादव) : (क) और (ख) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

(क) जी हां ।

(ख) कई राज्यों में बिजली की कमी होने के कारण विद्युत भट्टी उद्योग में इस्पात बनाने की अधिष्ठापित क्षमता का पूर्ण रूप से उपयोग नहीं हो रहा है । इसके अतिरिक्त लाइसेंस की गई काफी क्षमता अभी चालू की जानी है । इसलिए उद्देश्य यह है कि आवश्यक आदानों अर्थात् बिजली तथा लोह स्क्रैप की उपलब्धि को ध्यान में रखते हुए पहले प्राधिकृत की गई क्षमता का पूरी तरह उपयोग किया जाये तथा इस्पात बनाने के लिए विद्युत भट्टी उद्योग के और आगे फैलाव को विनियमित किया जाए । इस बात को ध्यान में रखते हुए अभी इस विषय पर श्वेत-पत्र प्रकाशित करने का विचार नहीं है ।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI CHANDRAJIT YADAV) : (a) and (b) A statement is laid on the Table of the House.

†[ ] English translation.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) The installed capacity in the elec-tric furnace industry for steel making is not being fully utilized owing to power shortages in a number of States. Further, substantial capacity which has been licensed is yet to be commissioned. The objective is, therefore, to consolidate the capacity already authorised and to regulate the further growth of the electric furnace industry for steel making, in keeping with the availability of essential inputs viz. electric power and ferrous scrap. In view of this, it is not proposed to bring out a \Vhite Paper on this subject at this stage:]

t [Production of ate?i

इस्पात का उत्पादन

*789. श्री **राजनारायण : क्या इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चालू वर्ष के दौरान इस्पात के उत्पादन का लक्ष्य क्या है; और

(ख) लक्ष्य के अन्त तक पूरा होने की संभावना है और इस संबंध में सरकार ने क्या कदम उठाये हैं ?

789. SHRI RAJNARAIN : Will the Minister of STEEL AND MINES be ! to state :

(a) what is the target of steel produc tion during the current year; and

(b) by when the target is likely to be achieved and what steps Government have taken in this regard ?]

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चन्द्रजीत यादव) : (क) और (ख) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) भिलाई, दुर्गापुर, राउरकेला और बोकारो तथा टिस्को और इस्को के सर्वतोमुखी इस्पात कारखानों का वर्ष 1974-75 के लिए इस्पात के उत्पादन का कुल लक्ष्य 65.75 लाख टन इस्पात पिण्ड तथा 58.44 लाख टन विक्रेय इस्पात है।

(ख) अप्रैल—नवम्बर, 1974 की अवधि में इस्पात पिण्ड तथा विक्रेय इस्पात का उत्पादन इस अवधि के लिए निश्चित लक्ष्य का क्रमशः 95.4% और 99% था। अतः यह आशा की जाती है कि मार्च, 1975 के अन्त तक 1974-75 के समूचे वर्ष के लिए निश्चित किया गया लक्ष्य प्राप्त हो सकेगा, बशर्ते कि बाकी महीनों में आदानों, बिजली और परिवहन की आवश्यकताओं की पर्याप्त मात्रा में पूर्ति होती रहे। अतः कोकिंग कोयले के उत्पादन तथा उसकी सप्लाई के बारे में कोयला विभाग तथा इस्पात कारखानों को बिजली की अधिकतम सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा मंत्रालय, दामोदर घाटी निगम तथा सम्बन्धित राज्य सरकारों से और आवश्यक आदानों तथा विक्रेय माल की संतोषजनक ढुलाई के बारे में रेलवे मंत्रालय से निकट तथा सतत सम्पर्क रखा जा रहा है।

f[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI CHANDRAJIT YADAV) : (a) and (b) A statement is laid on the Table of the House

Statement

(a) The aggregate target of production of steel from the integrated steel plants at Bhilai, Durgapur Rourkela and Bokaro and of TISCO and nSCO for the year 1974-75 is 6.575 million tonnes of ingot steel and 5.044 million tonnes of saleable steel.

(b) The production during, the months, April—November, 1974, was 95.4 per cent and 99.0 per cent of the targets for ingot steel and saleable steel respectively for this period. It is, therefore, expected that the target for the whole year 1974-75

•j'[ ] English translation.